

SUPPORT STUDY MATERIAL

IX Sanskrit

**Study Material, Support
Material and VBQ**

कक्षा-IX

प्रथमपाठः - “तत् त्वम् असि” इत्याधारिताः मूल्यपरकप्रश्नाः

- प्र1. “सर्वश्रेष्ठः अहम्” इति मन्यमानः कः उद्धतस्वभावः अभवत्? (विनम्रता)
- (क) श्वेतकेतुः (ख) आरूणिः
(ग) बोधिसत्वः (घ) विक्रमादित्यः
- प्र2. कुत्रैव महान् स्थूलः शाखादिमान् न्यग्रोधः वटः उत्पन्नः सन् तिष्ठति? (परमात्मनः आत्मनि सत् रूपेण विद्यमानता)
- (क) बीजे (ख) मन्दिरे
(ग) पादपे (घ) प्रकोष्ठे
- प्र3. सैव आत्मा! तत् एवं सत्। तत् - - - - - असि? (परमात्मात्मनोश्च एक रूपता)
- (क) अहम् (ख) सर्वम्
(ग) त्वम् (घ) यूयम्
- प्र4. कस्य ज्ञानेन सर्वं ज्ञातं भवति? (परमज्ञानम्)
- (क) आत्मनः (ख) संस्कृतस्य
(ग) वेदस्य (घ) पुराणस्य
- प्र5. सर्वेषु देहेषु कः अस्ति यः अजरः अमरश्च? (आत्मनः व्यापकता)
- (क) आत्मा (ख) देवः
(ग) प्रकृतिः (घ) पुरुषः

द्वितीयपाठः - अविवेकः परमापदां पदम्

- प्र6. सहसा किं न विदधीत? (विवेकः)
- (क) भोजनम् (ख) लेखनम्
(ग) दानम् (घ) कार्यम्

- प्र7. कः परमापदां पदम्? (विवेकः)
 (क) विवेकः (ख) अविवेकः
 (ग) कुशलः (घ) अकुशलः
- प्र8. ब्राह्मणः राज्ञा किमर्थं निमन्त्रितः? (संस्कारः)
 (क) भोजनार्थम् (ख) भिक्षार्थम्
 (ग) दानार्थम् (घ) श्राद्धार्थम्
- प्र9. गुणलुब्धाः संपदः कं वृणुते? (विवेकशीलता)
 (क) विचारशीलम् (ख) कल्पनाशीलम्
 (ग) कर्मशीलम् (घ) कर्तव्यनिष्ठम्
- प्र10. कः सर्पं व्यापाद्य खण्डशः कृतवान्? (कर्तव्यनिष्ठता)
 (क) ब्राह्मणः (ख) बालकः
 (ग) नकुलः (घ) नृपः
- प्र11. उपकारकं नकुलं मृतं निरीक्ष्य कः परं विषादमगच्छत्? (सहसा विदधीत न क्रियाम्)
 (क) ब्राह्मणः (ख) नृपः
 (ग) बालकः (घ) भोजः
- प्र12. कं दृष्ट्वा नकुलः रक्तविलिप्तमुखपादः चरणयोः अलुठन्? (स्वामिभक्तिः)
 (क) ब्राह्मणम् (ख) नृपम्
 (ग) नकुलम् (घ) वैश्यम्

तृतीयपाठः - “पाथेयम्”

- प्र13. कस्य सङ्गत्याम् उत्थानं भविष्यति? (सत्सङ्गतिः)
 (क) सज्जनस्य (ख) दुर्जनस्य
 (ग) धनिकस्य (घ) निर्धनस्य

- प्र14. कथं पिपीलिको शतान्यपि योजनानां याति? (कर्मस्य प्रेरणा)
 (क) उपविशन् (ख) गच्छन्
 (ग) अगच्छन् (घ) खादन्
- प्र15. कस्मात् गौरवं प्राप्यते? (दानशीलता)
 (क) युद्धात् (ख) भोजनात्
 (ग) दानात् (घ) सञ्चयात्
- प्र16. पृथिव्यां त्रीणि कानि? (विवेकः)
 (क) फलानि (ख) रत्नानि
 (ग) पुष्पाणि (घ) पुस्तकानि
- प्र17. कैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते? (सम्यक् दृष्टिकोणः)
 (क) मूढैः (ख) वाचालैः
 (ग) विद्वद्भिः (घ) कविभिः
- प्र18. कथं - वैनतेयः एकपदं न गच्छति? (कर्मशीलता)
 (क) गच्छन् (ख) अगच्छन्
 (ग) भ्रमन् (घ) क्रीडन्
- प्र19. कः धैर्यं नाशयते? (शोकः नाशयते सर्वम्)
 (क) सुखः (ख) शोकः
 (ग) भयः (घ) क्रोधः
- प्र20. फलोद्गमैः के नम्राः भवन्ति? (विनम्रता)
 (क) तरवः (ख) लताः
 (ग) फलानि (घ) पुष्पाणि
- प्र21. काभिः सत्पुरुषाः अनुद्धताः? (परोपकारः)
 (क) अलंकारैः (ख) समृद्धिभिः
 (ग) विद्याभिः (घ) वस्त्रैः

- प्र22. केषां नराणां किमपि असाध्यं नास्ति? (कृते प्रयत्ने किं न लभेत्)
- (क) विदुषाम् (ख) उत्साहानाम्
(ग) कर्मकरणाम् (घ) सज्जनानाम्
- प्र23. कस्मिन् परितुष्टे जनः अर्थवान् भवति? (परितोषः)
- (क) मनसि (ख) आत्मनि
(ग) कर्मणि (घ) देहे
- प्र24. सर्वेषामपि किं परं भूषणम्? (सदाचारः)
- (क) शीलम् (ख) धैर्यम्
(ग) शोकम् (घ) धर्मम्
- प्र25. यस्य तृष्णा विशाला सः कः भवति? (परितोषः)
- (क) धनिकः (ख) दरिद्रः
(ग) दुष्टः (घ) सन्तुष्टः
- प्र26. धनस्य आभूषणं किम्? (सत्पात्रतायाः दर्शनम्)
- (क) कुपात्रे व्ययः (ख) भोजने व्ययः
(ग) सुपात्रे व्ययः (घ) शिक्षायां व्ययः
- प्र27. तपसः आभूषणं किम्? (मनसः शांतिः)
- (क) अक्रोधः (ख) भयः
(ग) क्रोधः (घ) धैर्यः
- प्र28. ऐश्वर्यस्य विभूषणं का? (सज्जनता)
- (क) दयालुता (ख) विनम्रता
(ग) सुजनता (घ) विवेकिता

- नेहा गुप्ता

- टी.जी.टी.

(संस्कृत)

आई.डी. - 20090920

उत्तरपत्तिका

1.	क	20.	क
2.	क	21.	ख
3.	ग	22.	ख
4.	क	23.	क
5.	क	24.	क
6.	घ	25.	ख
7.	ख	26.	ग
8.	घ	27.	क
9.	क	28.	ग
10.	ग		
11.	क		
12.	क		
13.	क		
14.	ख		
15.	ग		
16.	ख		
17.	क		
18.	ख		
19.	ख		

कक्षा- नवम

चतुर्थपाठः - 'स्वस्थवृत्तम्'

- प्र1. वयम् पालनम् कुर्याम?
(नियमपालनम्)
- (क) पुस्तकानाम् (ख) गुरूणाम्
(ग) स्वास्थ्यनियमानाम् (घ) खाद्यनियमानाम्
- प्र2. वयम् कम् न अर्चयेम?
(अनुशासनम्)
- (क) गुरूम् (ख) आचार्यम्
(ग) वृद्धम् (घ) इन्दियाणि
- प्र3. कैः सह न आसीत्? (सत्सङ्गतिः)
- (क) दुष्टैः (ख) यानैः
(ग) मित्रैः (घ) जनैः
- प्र4. कम् न छिन्द्यात्? (नैतिकता)
- (क) तृणम् (ख) यानम्
(ग) फलम् (घ) रहस्यम्
- प्र5. नक्तम् किम् न भुञ्जीत? (संस्कृतेः
नियमपालनम्)
- (क) भोज्यपदार्थम् (ख) दधि
(ग) दुग्धम् (घ) फलम्

- प्र6. किम् न आगमयेत्?
(परहितगूढरक्षणम्)
- (क) अन्यरहस्यम् (ख) वृतान्तम्
(ग) वार्ताम् (घ) परिचर्चाम्
- प्र7. कान् न विघट्टयेत्? (नैतिक शिक्षा)
- (क) दन्तान् (ख) पत्राणि
(ग) फलानि (घ) नखान्
- प्र8. कान् न वादयेत्? (नैतिकता)
- (क) दुष्टान् (ख) यानानि
(ग) दन्तान् (घ) नखान्
- प्र9. किम् न ब्रूयात्? (सत्यवादिता)
- (क) सत्यम् (ख) प्रियम्
(ग) असत्यम् (घ) मधुरम्
- प्र10. केषु बन्धुभूतः स्यात्? (वसुधैवकुटुम्बकम्)
- (क) सर्वप्राणिषु (ख) सर्वधर्मेषु
(ग) सर्वमानवेषु (घ) सर्वजातिषु
- प्र11. कीदृशम् अन्नम् न खादेत्? (दैनिक व्यवहरस्य शिक्षा)
- (क) अधार्मिकम् (ख) फलम्
(ग) पर्युषितम् (घ) रोटिकाम्

पञ्चमः पाठः भातृस्नेहस्तु दुर्लभः

- प्र12. महाराजदशरथस्य प्रतिनिधिः कः?
(उत्तरदायित्वम्)
- (क) रामः (ख) लक्ष्मणः
(ग) सीता (घ) भरतः
- प्र13. भरतस्य स्वागतार्थम् का गच्छति? (भारतीय संस्कृतिः अतिथिः देवो भव)
(क) महाराजः (ख) सुमन्त्रः
(ग) सीता (घ) दशरथः
- प्र14. 'तावद् भविष्यामि अनयोः विधेयः' अत्र अनयोः शब्दः काभ्याम् प्रयुक्तः?
(आज्ञाकारिता)
- (क) हस्तयोः (ख) पादाभ्याम्
(ग) चरणयोः (घ) पादुकाभ्याम्
- प्र15. भरतस्य रूपसादृश्यम् केन सह प्रदर्शितम्? (सहोदरता)
(क) सीतया (ख) सुमन्त्रेन
(ग) रामेण (घ) भारतेन
- प्र16. रामः सीता लक्ष्मणश्च कुत्र स्थिताः?
(कर्त्तव्यपरायणता)
- (क) गृहे (ख) आश्रमपदे
(ग) वने (घ) जनपदे

0प्र17. दशरथेन किम् दुष्करम् कृतम्?

(पुत्रप्रेम)

(क) प्राणत्यागम्

(ख) पुत्रत्यागम्

(ग) राज्यत्यागम्

(घ) कैकेयीत्यागम्

प्र18. भरतः कुत्र वसितुम् इच्छति?

(अभिवादनशीलता

आदरभावः)

(क) तरूमूले

(ख) आश्रमे

(ग) पादमूले

(घ) राज्ये

षष्ठः पाठः विद्यया भान्ति सद्गुणाः

प्र19. हंसमध्ये कः न शोभते?

(विद्वान् सर्वत्र पूज्यते)

(क) बकः

(ख) विद्वान्

(ग) हंसः

(घ) सरोवरः

प्र20. दैवम् आलस्यम् च विहाय किम् विधेयः?

(पुरुषार्थता)

(क) कर्मम्

(ख) पुरुषार्थम्

(ग) धर्मम्

(घ) कर्तव्यम्

प्र21. कीदृशाः पुत्राः न शोभन्ते?

(विद्यायाः महत्त्वम्)

(क) विद्याविहीनाः

(ख) धनहीनाः

(ग) उन्मार्गगामिनः

(घ) कर्मविहीनाः

- प्र22. का अपि अनर्थाय? (विवेकः)
- (क) विवेकिता (ख) निष्कर्मता
(ग) अविवेकिता (घ) हठता
- प्र23. एकः कः तमः हन्ति? (श्रेष्ठता)
- (क) चन्द्रः (ख) तारकः
(ग) सूर्यः (घ) पुत्रः
- प्र24. कया बालकस्य पुनर्जन्मः भवति? (पुनर्जन्मविद्यायाः महत्त्वम्)
- (क) अभिवादनेन (ख) विद्यया
(ग) उपदेशेन (घ) आत्मया
- प्र25. राजा केषाम् सभां कारितवान्? (विद्वान् सर्वत्र पूज्यते)
- (क) मित्राणाम् (ख) अध्यापकानाम्
(ग) जनानाम् (घ) पण्डितानाम्
- प्र26. कः सतां शिरः आरोहति? (सत्सङ्गतिः)
- (क) कीटः (ख) मनुष्यः
(ग) सुमनः (घ) शशकः
- प्र27. महद्भिः सुप्रतिष्ठितः देवत्वं को याति? (पदमहत्ता, आस्तिकता)
- (क) अश्वः (ख) ईश्वरः
(ग) देवता (घ) मनुष्यः

- गंगा देवी लवानियां
- टी.जी.टी. (संस्कृत)
- आई.डी. - 20082345

उत्तरपत्तिका

1.	ग	23.	क
2.	घ	24.	ख
3.	क	25.	घ
4.	क	26.	क
5.	ख	27.	क
6.	क		
7.	क		
8.	घ		
9.	ग		
10.	क		
11.	ग		
12.	क		
13.	ग		
14.	घ		
15.	ग		
16.	ख		
17.	क		
18.	ग		
19.	क		
20.	ख		
21.	क		
22.	ग		

कक्षा-IX

सप्तमपाठः - तरवे नमोऽस्तु

- प्र1. के सत्पुरुषाः इव कथिताः? (सज्जनता)
(क) फलानि (ख) आतपाः
(ग) वृक्षाः (घ) छायाः
- प्र2. वृक्षाः किं कुर्वन्ति? (परोपकारः)
(क) कलहं (ख) छायाम्
(ग) आतपम् (घ) कार्यम्
- प्र3. वृक्षाः कुत्र तिष्ठन्ति? (सहिष्णुता)
(क) आतपे (ख) छायायाम्
(ग) अन्ते (घ) गृहे
- प्र4. तरवः स्वविभूतिभिः केषाम् कामान् पूरयन्ति? (परोपकारः)
(क) तेषाम् (ख) सर्वेषाम्
(ग) युष्माकम् (घ) फलानाम्
- प्र5. आम्रवृक्षः जनानाम् अतितापं कया दलयति? (परोपकारः)
(क) मायया (ख) छायया
(ग) लतया (घ) मधुरतया
- प्र6. वृक्षः कस्य सुखस्य हेतोः सर्वमर्पयति? (त्यागः)
(क) अन्यस्य (ख) फलस्य
(ग) पथिकस्य (घ) नरस्य
- प्र7. चन्दनस्य शाखा कैः आश्रिता? (आश्रयः)
(क) विहंगैः (ख) शृङ्गैः
(ग) प्लवङ्गैः (घ) भुजङ्गैः

- प्र8. कस्मै नमः? (कृतज्ञता)
- (क) गुरवे (ख) फलाय
(ग) तरवे (घ) सुखाय
- प्र9. मूढमनुजाः काः गायन्तु? (सकारात्मक दृष्टिकोण)
- (क) गुणगाथाः (ख) लघुकथाः
(ग) दोषगाथाः (घ) आत्मकथाः
- प्र10. वृक्षाः केन जनानां कामान् वितवन्ते? (समर्पणम्)
- (क) फलेन (ख) काष्ठेन
(ग) स्वजीवनेन (घ) मूलेन
- प्र11. फलोद्गमैः के नम्राः भवन्ति? (नम्रता)
- (क) महीभृताः (ख) शाखाः
(ग) वृक्षाः (घ) गुरवः
- प्र12. के निम्बस्य दोषगाथां गायन्ति? (अज्ञानता)
- (क) बुद्धियुक्ताः (ख) मृताः
(ग) मनुष्याः (घ) मूढाः
- अष्टमपाठः - कर्मणा याति संसिद्धिम्**
- प्र13. कस्मात् प्रभावात् मुनिः अहङ्कारमुपगतः? (ज्ञानविध्नौ अहंकारः)
- (क) तपसः (ख) श्रमात्
(ग) कर्मणः (घ) योगात्
- प्र14. 'प्रतीक्षस्व क्षणं, यावद् भर्तुः परिचर्या समापये' इति। (कर्तव्यपालनम्)
- अस्मिन् वाक्ये कोभावः निहितः?
- (क) पतिव्रता (ख) कार्यरता
(ग) कार्यव्यस्ता (घ) कार्यमग्ना

- प्र15. साध्वी काम् आदाय मुनेः अन्तिकम् आगता। (दानशीलता)
 (क) दानम् (ख) भिक्षाम्
 (ग) पात्रम् (घ) धनम्
- प्र16. साध्वी मुनिं कस्य समीपे प्रेषयति?
 (मार्गदर्शिनः/मार्गदर्शनम्)
 (क) नृपस्य (ख) पथिकस्य
 (ग) भिक्षुकस्य (घ) धर्मव्याधस्य
- प्र17. सन्तुष्टः भूत्वा मुनिः किम् अवाप्तवान्? (सफलता)
 (क) सिद्धिम् (ख) भिक्षाम्
 (ग) रिद्धिम् (घ) सम्पत्तिं
- प्र18. जनकादयः कया संसिद्धिं प्राप्तवन्तः? (धर्मपालनम्)
 (क) कर्मणा (ख) फलेन
 (ग) तपेन (घ) अहङ्कारेण
- प्र19. धर्मव्याधः कयोः भक्तः आसीत्? (मातापित्रोः भक्तः)
 (क) मातुः (ख) भर्तुः
 (ग) पितुः (घ) मातापित्रोः
- प्र20. धर्मव्याधः मुनिः किम् आचरितुम् उपदिशति। (धर्मपालनं)
 (क) स्वगृहं गच्छ (ख) स्वकार्यं कुरु
 (ग) स्वधर्मं चर (घ) स्वपाठं पठ

नवमपाठः - विजयताम् स्वदेशः

- प्र21. प्रतापः कैः स्वदेशं स्वतन्त्रं कर्तुम् इच्छति? (समर्पणं)
 (क) भटैः (ख) वर्षैः
 (ग) धनैः (घ) प्राणैः
- प्र22. कः विचारमग्नः शिलायाम् उपविष्टः आसीत्? (विचारशीलता)
 (क) महाराणाप्रतापः (ख) भटः
 (ग) भामाशाहः (घ) सैनिकः

- प्र23. धनराशिम आदाय कः आयाति? (मित्रता)
 (क) प्रतापः (ख) सैनिकः
 (ग) भामाशाहः (घ) भिल्लः
- प्र24. कीदृशे देशे जीवनं नरकायते? (स्वतन्त्रायाः महत्त्वम्)
 (क) दुर्गमे (ख) स्वतन्त्रे
 (ग) निर्जने (घ) परतन्त्रे
- प्र25. प्रतापः किं परित्यज्य अन्यत्र गच्छति? (देशप्रेमः)
 (क) स्वदेशं (ख) स्वदेहं
 (ग) स्वगृहं (घ) स्वधनं
- प्र26. स्वतन्त्रायाः उपायाः केन चिन्तनीयाः? (धैर्यता)
 (क) धनेन (ख) धैर्येण
 (ग) बलेन (घ) अभावेन
- प्र27. कया मरणमेव कल्याणप्रदं भवति? (देशभक्ति)
 (क) वीरगत्या (ख) बुद्धिमत्या
 (ग) मत्या (घ) देशभक्तया
- प्र28. 'विजयतां महाराजः, विजयताम् । इति कः जयघोषं करोति?
 (उत्साहवर्धनम्)
 (क) प्रतापः (ख) राजपुत्रः
 (ग) भामाशाहः (घ) भिल्लः

- सुमन चावला
 - टी.जी.टी.
 (संस्कृत)

आई. डी. - 19937855

उत्तरमाला

- | | |
|---------|---------|
| 1. (ग) | 19. (घ) |
| 2. (ख) | 20. (ग) |
| 3. (क) | 21. (घ) |
| 4. (ख) | 22. (क) |
| 5. (ख) | 23. (ख) |
| 6. (क) | 24. (घ) |
| 7. (क) | 25. (क) |
| 8. (ग) | 26. (ख) |
| 9. (ग) | 27. (क) |
| 10. (ग) | 28. (ख) |
| 11. (ग) | |
| 12. (घ) | |
| 13. (क) | |
| 14. (क) | |
| 15. (ख) | |
| 16. (घ) | |
| 17. (क) | |
| 18. (क) | |

कक्षा-IX

दशमपाठः - “कोडहं वदतु साम्प्रतं” इत्याधारिताः मूल्यपरकप्रश्नाः

- प्र1. दीपः पदार्थज्ञानार्थं का ददाति? (त्यागः)
(क) तमः (ख) ज्योतिः
(ग) ज्ञानम् (घ) स्नेहम्
- प्र2. जनाः दर्पणे कीदृशं वदनं पश्यन्ति? (वास्तविक दर्शनम्)
(क) अस्वच्छम् (ख) स्वच्छम्
(ग) शुद्धम् (घ) स्वच्छाच्छम्
- प्र3. पादत्राणः गुणस्यूतिसमृद्धोऽपि केन गच्छति? (साहचर्यः)
(क) परपादेन (ख) स्वपादेन
(ग) स्वहस्तेन (घ) परहस्तेन
- प्र4. यानस्याङ्गं हरेः शस्त्रं भारतभूपतेः चिह्नं किं वर्तते? (प्रगतिशीलता)
(क) यानम् (ख) चक्रम्
(ग) चिह्नम् (घ) शस्त्रम्
- प्र5. चक्रं कथम् चलति? (विकासः)
(क) वर्तुलाकारम् (ख) अधोऽधः
(ग) उपर्युपरि (घ) पुरतः
- प्र6. जनानां हृदयेषु गूढभावं का प्रकटीकरोति? (गूढप्राकट्यः)
(क) संकेतम् (ख) भावम्
(ग) लेखनी (घ) वाचनम्
- प्र7. भीमः कीदृशः अस्ति? (शक्तेः महत्त्वम्)
(क) महाकायः (ख) बलिष्ठः
(ग) निर्बलः (घ) कृष्णः

प्र8. गृहस्याभूषणं कः वर्तते? (पुत्रमहात्म्यः)

(क) पुत्री (ख) शत्रुः

(ग) सुतः (घ) मूर्खः

एकादशपाठः 'न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते'

प्र9. केषु वयः न समीक्ष्यते? (ज्ञानस्य महत्त्वम्)

(क) पापवृद्धेषु (ख) धर्मवृद्धेषु

(ग) शास्त्रवृद्धेषु (घ) शस्त्रवृद्धेषु

प्र10. कस्य आयुः न गण्यते? (कर्तव्यपरायणता)

(क) कर्तव्यपरायणस्य (ख) अकर्तव्यपरायणस्य

(ग) शस्त्रपारङ्गतस्य (घ) ज्योतिषाचार्यस्य

प्र11. अष्टावक्रस्य पिता राजर्षेः जनकस्य सभां किमर्थं गतः आसीत्?

(विद्वत्तापरिचयः)

(क) धनप्राप्त्यर्थम् (ख) वस्तुनिप्राप्त्यर्थम्

(ग) शास्त्रार्थाय (घ) अशास्त्रार्थाय

प्र12. अष्टावक्रः कीदृशः आसीत्? (ज्ञानशीलता)

(क) अन्यायप्रियः (ख) विलक्षणदृष्टि सम्पन्नः

(ग) न्यायप्रियः (घ) विलक्षणप्रतिभासम्पन्नः

प्र13. अष्टावक्रस्य किं दृष्ट्वा पण्डिताः अहसन्? (गुणग्राही)

(क) वक्रदेहम् (ख) सौम्यदेहम्

(ग) बलिष्ठदेहम् (घ) स्थूलदेहम्

प्र14. पण्डितानां तारस्वरं श्रुत्वा अष्टावक्रः किं कर्तुं प्रारभत?

(यथा कार्यं तथा फलम्)

(क) पठितुम् (ख) हसितुम्

- (ग) लेखितुम् (घ) गातुम्
- प्र15. पण्डिताः कीदृशाः आसन्? (अहंकारः ज्ञानं विनाशयते)
- (क) मिथ्याज्ञानगर्विताः (ख) शास्त्रज्ञानयुक्ताः
- (ग) शस्त्रपारङ्गताः (घ) अलंकृताः
- प्र16. सर्वसाक्षी निर्लेपः नित्यः निराकारश्च का वर्तते? (आत्माज्ञानम्)
- (क) देहः (ख) आत्मा
- (ग) नदी (घ) जलम्
- प्र17. अष्टावक्रः शास्त्रार्थं कृत्वा कान् अजयत्? (विद्यामहात्म्यं)
- (क) मूर्खान् (ख) पण्डितान्
- (ग) पाठकान् (घ) राज्ञः
- प्र18. आत्मा कस्य अध्यक्षः भवति? (अधिपत्यः)
- (क) शरीरस्य (ख) मनसः
- (ग) स्वकीयस्य (घ) मस्तिष्कस्य
- प्र19. जनकः अष्टावक्रं स्वकीयं किं समर्पयति? (त्यागः)
- (क) शरीरम् (ख) धनम्
- (ग) राज्यम् (घ) मनः
- प्र20. जनकः शान्ते मनसि अपूर्वा का प्राप्नोति? (सन्तोषः परमं सुखम्)
- (क) दुःखानुभूतिः (ख) संशयानुभूतिः
- (ग) आनन्दानुभूतिः (घ) लौकिक व्यवहारम्
- प्र21. जनकः कं गुरुः मन्यते? (धर्मवृद्धेषु वयः न समीक्ष्यते)
- (क) अष्टावक्रम् (ख) बुद्धिम्
- (ग) दानम् (घ) पुण्यम्

द्वादश पाठः कवयामि वयामि यामि

- प्र22. स्वातिः कान् पाठयितुं गच्छति? (साक्षरता)
(क) शिक्षितान् (ख) अशिक्षितान्
(ग) मूर्खान् (घ) विदुषः
- प्र23. अद्यत्वे कस्याः महत्त्वं सर्वे जानन्ति? (शिक्षामहात्म्यं)
(क) अशिक्षायाः (ख) परिश्रमस्य
(ग) शिक्षायाः (घ) शोभायाः
- प्र24. दिनकरदीप्तिरिव कस्य कीर्तिः दिक्षुः प्रसारम् आप्नोति? (यशमहिमा)
(क) द्वारपालस्य (ख) लक्ष्मीधरस्य
(ग) प्रजायाः (घ) नृपस्य
- प्र25. क्षमी दाता गुणग्राही स्वामी केन लभ्यते? (पुण्यफलम्)
(क) पापेन (ख) पुण्येन
(ग) दानेन (घ) गुणेन
- प्र26. अनुकूलः शुचिदक्षः को सुदुर्लभः वर्तते? (विद्वत्महत्ता)
(क) कविविद्वान् (ख) नृपः
(ग) मन्त्री (घ) द्वारपालः
- प्र27. यत्र जलपूर्णं सरः भवति तत्र के स्वयं समायान्ति? (कीर्तिः)
(क) जनाः (ख) पशवः
(ग) पक्षिणः (घ) विद्वांसः
- प्र28. महाराज भोजस्य राज्ये कोऽपि कः न अवसन्? (साक्षरता)
(क) पण्डितः (ख) द्वारपालः
(ग) गुणहीनः (घ) निरक्षरः

- प्र29. तन्तुवायः त्रुटितान् कान् संयोजयति? (सामञ्जस्यता)
(क) सम्बन्धान् (ख) तन्तून्
(ग) वस्तूनि (घ) शस्त्राणि
- प्र30. “राजनियमः तु मया पालनीयः” एतत् को कथयति?
(आज्ञापालनम्)
(क) द्वारपालः (ख) नृपः
(ग) नगरपालः (घ) तन्तुवायः
- प्र31. तन्तुवायः कस्मात् चारूतरं रचनां करोति? (परिश्रमः)
(क) साहसात् (ख) यत्नात्
(ग) क्रोधात् (घ) धैर्यात्
- प्र32. तन्तुवायः परिश्रमस्य केन जीविकामर्जयति? (श्रममहात्म्य)
(क) व्यवसायेन (ख) लेखनेन
(ग) गमनेन (घ) काव्येन

- डॉ. प्रतिभा सक्सेना
- टी.जी.टी. (संस्कृत)
आई. डी. - 20091961

उत्तरपत्रिका

- | | |
|---------|---------|
| 1. (ख) | 19. (घ) |
| 2. (घ) | 20. (ग) |
| 3. (क) | 21. (क) |
| 4. (ख) | 22. (ख) |
| 5. (क) | 23. (ग) |
| 6. (ग) | 24. (घ) |
| 7. (ख) | 25. (ख) |
| 8. (ग) | 26. (क) |
| 9. (ख) | 27. (ग) |
| 10. (क) | 28. (घ) |
| 11. (ग) | 29. (ख) |
| 12. (ख) | 30. (घ) |
| 13. (क) | 31. (ख) |
| 14. (ख) | 32. (क) |
| 15. (क) | |
| 16. (ख) | |
| 17. (ख) | |
| 18. (क) | |

कक्षा-IX

त्रयोदशपाठः “ भारतीयं विज्ञानं इत्याचारेण ”

- प्र1. किम् विस्मृत्य मुनिः वेगेन आश्रमम् आगतवान्?
(जिज्ञासा)
(क) तृषाकुलताम् (ख) संगीतम्
(ग) बुभुक्षाम् (घ) जलमूलम्
- प्र2. मुनि घटनायाः किम् अन्विष्टवान्? (अन्विष्टं समर्थः)
(क) प्रतिध्वनि सूक्ष्म क्रमः (ख) संगीत साधनम्
(ग) बाद्ययंत्रम् (घ) आश्रमम्
- प्र3. मुनिना जलविन्दु निपातेन इति घटनया कि निर्मितम्? (नूतनः आविष्कारः)
(क) ढोलकाख्यं वाद्ययंत्रम् (ख) तबलाख्यं वाद्ययंत्रम्
(ग) मृदंगाख्यं वाद्ययंत्रम् (घ) पखावजाख्यं वाद्ययंत्रम्
- प्र4. केन बिना संगीतसाधनानां निर्माण साध्यं नास्ति? (प्रतिध्वनेः महत्त्वम्)
(क) नाट्यशास्त्रेण (ख) ध्वनिना
(ग) प्रतिध्वनि-विज्ञानेन (घ) प्रतिध्वनिना
- प्र5. वृक्षायुर्वेदं केषां पर्णैः क्रियमाणाः विविधाः क्रियाः वर्णिताः?
(वृक्षाणां महत्ता)
(क) महर्षीणाम् (ख) वृक्षाणाम्
(ग) क्रियाणाम् (घ) प्लाज्मानाम्
- प्र6. बोधनाचार्येण किं निरूपितः? (संस्कृतस्य महत्त्वम्)
(क) सिद्धान्तः (ख) पाईथोगोरसं
(ग) पाइथोगोरसः इति सिद्धान्तः (घ) न किमपि
- प्र7. कुत्र बौद्ध दर्शनं सह अन्यानि शास्त्राणि अध्यापितानि?
(प्राक्तनविश्वविद्यालयस्य महत्त्वम्)

- (क) तक्षशिलाविद्यालये (ख) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविधापीठे
 (ग) नालन्दाविश्वविद्यालये (घ) एतेषु सर्वेषु विद्यालये
- प्र8. प्रथमा विद्या का आसीत्? (व्याकरणस्य महत्त्वम्)
 (क) व्याकरण-विद्या (ख) शब्द-विद्या
 (ग) न्यायविद्या (घ) शिल्प-विद्या
- प्र9. शब्द विद्या किमर्थम् भवति? (मुखं व्याकरणं स्मृतम्)
 (क) शिल्पज्ञानार्थम् (ख) शरीर-रक्षार्थम्
 (ग) व्याकरणस्य ज्ञानार्थम् (घ) अध्यात्मज्ञानार्थम्
- प्र10. हेतु विद्या कतमा आसीत्? (तर्कशास्त्रस्य स्थान ज्ञानम्)
 (क) प्रथमा (ख) द्वितीया
 (ग) तृतीया (घ) चतुर्थी
- प्र11. न्यायदर्शने कस्य शास्त्रस्य ज्ञानं दीयते स्म? (न्यायदर्शन शास्त्रस्य संबधः)
 (क) मंत्रनिर्माणस्य (ख) शल्यचिकित्सायाः
 (ग) तर्कशास्त्रस्य (घ) जीवनदर्शनस्य
- प्र12. भारतीय विज्ञान-परम्परा कीदृशी आसीत्? (विज्ञानं कथं भवेदिति ज्ञानम्)
 (क) उत्कृष्टा
 (ख) मूल्ययुक्ता
 (ग) उत्कृष्टा मानवीयमूल्ययुक्ता च
 (घ) स्वार्थपरायणा

चतुर्दशः पाठः “भारतेनास्ति मे जीवनं जीवनम्” इत्याधारेण
 उत्तरीयाः

- प्र13. अर्बुदारावली श्रेणी सम्पूजितम् किमस्ति? (शि- भारतस्य महात्म्य ज्ञानम्)
 (क) अनारतम् (ख) भारतम्
 (ग) उभौ (घ) न किमपि

- प्र14. सूर्यपुत्रीति शब्दस्य कः पर्यायः? (पौराणिककथाज्ञानम्)
- (क) नर्मदा (ख) भानुजा
(ग) जाह्नवी (घ) शारदा
- प्र15. भूतले भारतं कथं भाति? (स्वदेशप्रेमः)
- (क) यदा-कदा (ख) प्रायः सर्वदैव
(ग) अनातरम् (घ) न कियपि
- प्र16. सरस्वत्या वीण्या झंकृतं किम्? (सरस्वत्याः भारतस्य च महत्त्वम्)
- (क) भारतम् (ख) अनारतम्
(ग) सत्कलालालितम् (घ) वल्लकी
- प्र17. अहं किम् नित्यमेव स्मरामि? (स्वदेशप्रेमः)
- (क) भारतम् (ख) अनारतम्
(ग) संस्कृतम् (घ) ईश्वरम्
- प्र18. भारतं कस्य हास प्रभया पूरितम् आस्ति? (भारतस्य गौरवम्)
- (क) चन्द्रमसः (ख) सूर्यस्य
(ग) हिमाद्रेः (घ) गंगायाः
- प्र19. धरण्यां किं मोदताम्? (भारतस्य महत्त्वम्)
- (क) अनारतम् (ख) वैविध्यम्
(ग) भारतम् (घ) दीनताम्
- प्र20. अत्र कोऽपि कां न व्रजेत? (उदात्रभावना निर्धनेभ्यः)
- (क) दक्षताम् (ख) धीरताम्
(ग) अधीरताम् (घ) दीनताम्
- प्र21. भारतं काभिः लालितम् वर्तते? (भारतस्य सौन्दर्यम्)

- (क) भानुजया (ख) नर्मदया
(ग) भानुजानर्मदावीचिभिः (घ) न कयाऽपि
- प्र22. भारतं-जगत् कीदृशैः चरित्रैः पावयति? (महापुरूषाणां जननी भारतभूमिः)
(क) विश्वनिन्द्यैः (ख) विश्वबन्धैः
(ग) भारतवन्द्यैः (घ) न कीदृशैरपि
- प्र23. मे भारतं कुत्र भाति? (विश्वमानचित्रे-भारतस्य स्थितिज्ञानम्)
(क) भारते (ख) विदेशे
(ग) भूतले (घ) न कुत्रामि
- प्र24. मम अखिलं चेष्टितं कस्मै अर्पितं भवेत्? (राष्ट्र प्रति समर्पणभावना)
(क) राष्ट्राय (ख) विश्वाय
(ग) ब्रह्मण्डाय (घ) भारताय
- प्र25. मोदतां राजतां कीदृशं भारतम्? (देशस्य पवित्रतायाः ज्ञानम्)
(क) दिव्यम् (ख) अखण्डम्
(ग) पावनम् (घ) सुन्दरम्

- एच. सी.
उपाध्यायः
- टी.जी.टी.
(संस्कृत)

उत्तरमाला:

- | | |
|--------------------------------------------|-----------------------------|
| 1. (क) तृषाकुलताम् | 20. (घ) दीनताम् |
| 2. (क) प्रतिध्वने सूक्ष्म क्रमः | 21. (ग) भानुजानर्मदावीचिभिः |
| 3. (ग) मृदंगाख्यं वाद्ययंत्रम् | 22. (ख) विश्वबन्धैः |
| 4. (ग) प्रतिध्वनि विज्ञानेन् | 23. (ग) भूतले |
| 5. (ख) वृक्षाणाम् | 24. (घ) भारतम् |
| 6. (ग) पाइथोगोरस इति सिद्धान्त | 25. (ग) पावनम् |
| 7. (ग) नालन्दा विश्वविद्यालये | |
| 8. (ख) शब्द विद्या | |
| 9. (ग) व्याकरणस्य ज्ञानार्थम् | |
| 10. (घ) चतुर्थी | |
| 11. (ग) तर्कशास्त्रस्य | |
| 12. (ग) उत्कृष्टा मानवीय
मूल्ययुक्ताश्च | |
| 13. (ख) भारतम् | |
| 14. (ख) भानुजा | |
| 15. (ग) अनारतम् | |
| 16. (क) भारतम् | |
| 17. (क) भारतम् | |
| 18. (ग) हैमाद्रे | |
| 19. (ग) भारतम् | |